(ख) निम्नांकित किन्हीं पांच वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करें– 15

(1) णाणस्स सारमायारो।

(2) अम्हे पोत्थअं पढ़ीअ।

(3) तुम्हें अज्ज सत्थं सुणेह। सुणह।

(4) ते सणिअं चलन्ति।

(5) ताओ मुहु चिन्तन्ति।

(6) सा भक्ति गच्छइ।

(7) इअ महावीरो भासते।

(8) जस्स मोहो न होइ तस्स दुक्खं हयं।

♦♦♦

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा– 2010

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : प्राकृत

प्रथम पत्र – प्राकृत भाषा

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें।

प्र. 1. प्राकृत भाषा की कुछ प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें। 15

अथवा

प्राकृत में प्रयुक्त क्रिया की विशेषताओं पर प्रकाश डालें।

प्र. 2. प्राकृत में प्रयुक्त अनुस्वार एवं अनुनासिक के नियमों को सोदाहरण लिखिए। 14

अथवा

संधि किसे कहते हैं? प्राकृत भाषा की किसी एक संधि विषयक नियम को सोदाहरण समझाइये।

प्र. 3. प्राकृत भाषा में स्वर वर्ण का परिवर्तन सोदाहरण विवेचित कीजिए। 14

अथवा

प्र. 4. निम्नांकित किसी एक विषय पर सोदाहरण टिप्पणी लिखिए। 7

1. उपसर्ग
2. विशेषण
3. देव शब्द के रूप (दोनों वचनों एवं सभी विभक्तियों में)

प्र. 5. (क) निम्नांकित किन्हीं पांच शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखें। 10

1. जुवई (पंचमी, एकवचन एवं बहुवचन)
2. वीर (द्वितीया, एकवचन एवं बहुवचन)
3. वारि (तृतीया, एकवचन एवं बहुवचन)
4. सव्व (प्रथमा, एकवचन एवं बहुवचन)
5. क (पंचमी, एकवचन एवं बहुवचन)
6. सिस्स (सप्तमी, एकवचन एवं बहुवचन)
7. तुम्ह (द्वितीया, एकवचन एवं बहुवचन)
8. अम्ह (प्रथम, एकवचन एवं बहुवचन)

(ख) निम्नांकित किन्हीं पांच शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखें। 10

1. पा (भूतकाल, उत्तम पुरुष, एकवचन)
2. लिह (वर्तमान काल, मध्यम पु. बहुवचन)
3. रक्ख (भविष्यत् काल प्रथम पु. एकवचन)
4. मुंच (आज्ञार्थक, मध्यम पु. बहुवचन)
5. रुव (वर्तमानकाल उत्तम पु. एकवचन)
6. गेण्ह (भूतकाल, प्रथम पु. एकवचन)
7. हण (भविष्यतं काल मध्यम पु. बहुवचन)
8. भण (आज्ञार्थक, उत्तम पु. एकवचन)

प्र. 6. (क) निम्नांकित किन्हीं पांच वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद करें। 10

1. हम गाते हैं।
2. मैं वन्दना करता हूँ।
3. वह गिर गया।
4. तुम खुश होते हो।
5. हम सब खेलेंगे।
6. अग्नि वन को जलाती है।
7. मुख से वचन बोलो।
8. वर्षा के बिना वन सूखते हैं।
9. हम विद्यालय जाते हैं।
10. कल विद्यालय में पढ़ाई होगी।

(ख) निम्नांकित किन्हीं पांच वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करें। 10

1. महावीरस्स अवरनामो सन्मई आसी।
2. सो विस्सविज्जालये पढ़इ।
3. घेणू पइदिणं दुद्धं दाइ।
4. दसवेआलियस्स रयणायार आयरिसय्यंभवो अत्थि।
5. अम्हे कल्लं मन्दिरे जिणस्स अच्चिहिमो।
6. ताओ पइदिणं खिप्पं पुफाणि णेन्ति।
7. चंदणस्स वणंसि जामि।
8. सिंघो फलं न खायइ।
9. घाणं गन्धस्स गहणं वयंति।
10. सुक्खेसु मित्तं सुमिरति।

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा– 2011

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : प्राकृत

द्वितीय पत्र – प्राकृत काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नांकित अवतरणों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 24

(अ) एवमाइ चिंतितो। सुहकम्मोदएण तक्खणमेव सुहपरिणाममवगओ संवेगमावन्नो लग्गो परिभाविउं 'अहो'! लोभस्स विलसिंय, दोण्ह सुवण्णमासाण कज्जेणागओ लाभमुवट्ठियं दट्ठूण कोडीहिं पि न उवरमइ मणोरहो। अन्नं च विज्जापढ़णत्थं विदेशमागओ जाव ताव अवहीरिऊण जणिं अवगणिऊण उवज्झायहिय–उवएसं, अवमन्निऊण कुल एएण लोहेण जाणमाणो वि मोहिओ।।

(ब) ततो ताणं सद्देणं महाजणो संगहिओ। पुच्छिया 'किमेयं' त्ति। तत्तो तेहिं जहावत्तं सव्वं परिकहियं। समागयजणेण य मज्झत्थेणं होऊण ववहारनिच्छओ सुओ, पराजिया य ते गंधियपुत्ता। सो य किलेसेण तं महिलियं भोयाविओ सगडो अत्थेण सुबहुएण सहपरिदिण्णो।

(स) अमिअ पाउअ कव्वं पढ़िऊं सोउं अ जे ण आणन्ति।
कामस्स तत्त न्तिं कुणन्ति ते कहं ण लज्जन्ति।।

(द) कण–कुण्डगं चइत्ताणं, विट्ठं भुंजइ सूयरे।
एवं सीलं चइत्ताणं, दुस्सीले रमई मिए।।

प्र. 2. निम्नांकित अंशों में से किन्हीं दो का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। 16

(अ) पाइयकव्वम्मि रसो जो जायइ तह छेयमणिएहिं।
उवयस्स य वासियसीयलस्सतित्तिं न वच्चामो।।
णवमत्थ–दंसण–संनिवेस–सिसिराओ बन्धरिद्धीओ।
अविरलमिणमो आ भुवण–बन्धमिह णवर वययम्मि।।

(ब) तहेव काणं काणे त्ति पण्डगं पण्डगे त्ति वा।
वाहियं वावि रोगि त्ति तेणं चोरे त्ति नो वए।।

प्र. 3. गामिल्लओ सागडिओ अथवा जहा गुरु तहा सीसो पाठ का सारांश एवं शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए। 10

प्र. 4. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

(अ) महाराष्ट्री प्राकृत

(ब) चन्दनबाला की चारित्रिक विशेषता।

(स) अगडदत्तकहा।

प्र. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। 10
भणइ, दच्चा, नाऊण, रयणं।

प्र. 6. (क) निम्नांकित शब्दों की व्याकरणात्मक व्याख्या कीजिए। (कोई तीन) 10

(1) असंबुद्धे

(2) धम्माणु भावेण

(3) पढ़ेयत्वं

(4) भिक्खुणो

(ख) निम्नांकित वाक्यों का प्राकृत भाषा में अनुवाद करें। (कोई पांच) 8

(1) मैं गांव जाता हूँ।

(2) तुम सब यह काम करते हो।

(3) यह कार्य मेरे द्वारा होता है।

(4) कमलों से सरोवर शोभित होता है।

(5) यह पात्र दही के लिए है।

(ग) निम्नांकित वाक्यों का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। (कोई चार) 8

(1) अहो ! लोहस्स विलसियं।

(2) अन्नया सा दासी उव्विग्गा दिट्ठा।

(3) तुम्हे पइदिणं सत्थं सुणिहित्था।

(4) सो पुण्णं करिउं अच्चिहिइ।

♦♦♦